

DEPARTMENT OF LIFE SCIENCES | CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR, INDIA



11 AM

शरीर में अनावश्यक मस्से भी कैंसर का संकेत

माई सिटी रिपोर्टर

कानपर। शरीर में निकलने वाले अनावश्यक मस्से, तिल भी कैंसर का संकेत हो सकते हैं। इनकी अनदेखी न करें। इसके अलावा पाचन में परेशानी. लंबे समय तक घाव न भरें या खांसी और कि इम्युनिटी बढ़ाने और खानपान पर आवाज में बदलाव हो तो इसे गंभीरता से नियंत्रण की आवश्यक है। नेशनल कैंसर

लें। ये बातें छत्रपति शाह जी महाराज यूनिवर्सिटी संजीवनी लाइफ बियांड कैंसर के संयक्त तत्वावधान में आयोजित वेबपोसियम में निर्वाण यूनिवर्सिटी, जयपुर के कलपति प्रो. अशोक कुमार ने कहीं। उन्होंने कहा कि कैंसर

से बचने के लिए आठ बिग फैक्टर्स को ध्यान में रखने की आवश्यकता है। बताया कि धम्रपान व शराब का सेवन न करें, पर नियंत्रण रखें, रेगुलर एक्सरसाइज तथा सादा भोजन करें और लंबे संक्रमण से बचें। अधिक धप का सेवन भी खतरनाक हो सकता है।

वेबपोसियम में प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा सेंटर, साउथ कोरिया की प्रो. मी क्यंग किम ने

मार

सीएसजेएमयू में संजीवनी लाइफ

बियांड कैंसर के संयुक्त तत्वावधान

में वेबपोसियम का आयोजन

चेंजिंग पैराडाइम्स' विषय पर आयोजित

बताया कि साउथ कोरिया में महिलाओं में सर्वाइकल केंसर तेजी से बढ रहा है। हालांकि समय-समय पर इसकी वैक्सीन दी जाती

टेक्सास स्वास्थ्य विज्ञान विवि अमेरिका के प्रो. सुभाष चंद्र ने बताया कि हल्दी में कैंसर रोकने के तत्व होते हैं। संजीवनी-लाइफ बियांड कैंसर की संस्थापक रूबी अहलवालिया ने कैंसर के अनुभवों को साझा किया। जीव विज्ञान के प्रो. नंदलाल ने संयोजक व प्रो. वर्षा गुप्ता ने संचालन 'कैंसर बर्डेनः थ्रेट्स, चैलेंजस एंड की भूमिका निभाई।

शरीर पर निकलने वाले मस्से भी कैंसर का संकेत

वेबपोजियम

कानपुर वरिष्ठ संवाददाता

शरीर में अनावश्यक रूप से निकलने वाले मस्से या तिल भी कैंसर का संकेत हो सकता है। इसकी अनदेखी बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। अगर पाचन समस्या में परेशानी है, लंबे समय तक घाव नहीं भर रहा है या फिर आवाज में बदलाव हो रहा है तो इसे गंभीरता से लें। यह बात छत्रपति शाह जी महाराज विश्वविद्यालय में संजीवनी लाइफ बियांड कैंसर के संयुक्त तत्वावधान में वेबपोसियम में निर्वाण यूनिवर्सिटी, जयपुर के कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने कही।

ऑनलाइन माध्यम से हुए वेबिनार में प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि कैंसर से बचने के लिए आठ बिग फैक्टर्स को

ध्यान में रखना जरूरी है। धूम्रपान न करें, वजन का नियंत्रण, नियमित रूप से व्यायाम व एक्सरसाइज, शराब का सेवन न करें, सादा भोजन करें, लंबे संक्रमण से बचें। इसके अलावा अधिक धप का सेवन भी खंतरनाक हो सकता है। सीएसजेएमयू की कुलपति प्रो. नीलिंमा गुप्ता ने कहा कि इम्युनिटी को बढ़ाने और खानपान पर नियंत्रण आवश्यक है। इस मौके पर मौजूद नेशनल कैंसर सेंटर, साउथ कोरिया की प्रो. मी क्यूंग किम ने कहा कि साउथ कोरिया में सर्वाइकल कैंसर तेजी से बढ रहा है। टेक्सास स्वास्थ्य विज्ञान विवि अमेरिका के प्रो. सभाष चंद्र कहा कि हल्दी में कैंसर को रोकने के तत्व होते हैं। संजीविनी-लाइफ बियांड कैंसर की संस्थापक रूबी अहल्वालिया ने कैंसर के अनुभवों को साझा किया।



Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University Kanpur (U.P.)

> Organized International Webposium on

CANCER BURDEN: THREATS, CHALLENGES AND CHANGING PARADIGMS

November 19, 2020 (Thursday), 11.00 AM

Prof. Neelima Gupta **Vice Chancellor** C.S.J.M.U., Kanpur



Prof. Ashok Kumar **Vice Chancellor** Nirwan Univ., Jaipur

Kanpur

Prof. Mi Kyung Kim Prof. S. C. Chauhan Prof. Absar Ahmad Mrs. Ruby Ahluwalia Dr. Renu S. Gahlaut National Cancer Center UT Health RioGrande INC, A.M.U. Founder, Sanjeevani MBBS, MS, FICOG South Korea Valley, USA India Life Beyond Cancer

Organized by: Department of Life Sciences Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur, India

www.jagran.com

एक नजर में

कैंसर के बारे में बेहतर जानकारी ही बचाव है कानपुरः सीएसजेएमयू कानपुर व संजीवनी-लाइफ बियॉन्ड कैंसर के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को कैंसर से बचाव व चूनौतियों को लेकर इंटरनेशनल वेबपोसियम हुआ। 'कैंसर बर्डेन : थ्रेदस, चैलेंजेज एंड चेंजिंग पैराडाइम्स' वेबपोसियम में उनकी संरक्षिका कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि कैंसर से बचाव संभव है । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व निर्वाण यूनिवर्सिटी जयपुर के कुलपति प्रों. अशोक कुमार ने अपने कैंसर रिसर्च के अनुभव साझा किए। नेशनल केंसर सेंटर साउथ कोरिया के प्रो . मी क्युंग किम, टेक्सास स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अमेरिका के प्रो. सुभाष चंद्र चौहान ने भी शोध अनुभव साझा किए। जास

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur organized an International Webposium on "Cancer Burden: Threats, Challenges and Changing Paradigms" on 19th November 2020 through Zoom online portal



Welcome address for the program was given by *Prof. Nand Lal, Head and Webposium Convener.* He welcomed all the delegates, Hon'ble Vice Chancellor CSJM University Prof. Neelima Gupta, the Chief Patron of the Webposium, Guest of Honour, Prof. Ashok Kumar, Vice Chancellor, Nirwan University, Jaipur, Prof. M.K. Kim, National Cancer Center, South Korea, Prof. S.C. Chauhan, UTRGV, TX, Prof. Absar Ahmad, Director, INC, Aligarh Muslim University, Aligarh, Mrs. Ruby Ahluwalia, Founder, Sanjeevani Life Beyond Cancer, Dr. Renu Singh Gahlaut, Gahlaut Health Care, Kanpur, all the faculty members, Deans, Heads, participants, Media and Press personnel.

The program commenced with the Inaugural Address by *Prof. Neelima Gupta, Hon'ble Vice Chancellor* of *CSJM University*. She welcomed all the guests and presented her views related to cancer research. She emphasized that attention should be given to the awareness programs for spreading knowledge about causes and causative factors for occurrence of cancers as well as means of its prevention. She gave special advice to increase the immunity and to inculcate healthy food habits. She further expressed that awareness of cancer should be taken to gross root level of society and people be cautiously informed that prevention is better than cure after occurrence of the cancer.

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर





The Guest of Honour of the program was Prof. Ashok Kumar, Vice Chancellor, Nirwan University Jaipur, and former Vice Chancellor of CSJM University., Kanpur Prof. Kumar shared his vast experience of cancer research. He explained very interestingly how cancer can be avoided and how it can be diagnosed and treated. He advised to focus on eight big factors which are: avoid smoking, control body weight, do regular exercise, do not consume alcohol, eat healthy and quality food, avoid excessive sunlight exposure, regularly consult a doctor, and avoid chronic infections. With this Prof. Kumar also advised to focus on seven cautions that are: digestive problems, non-healing wounds, irregular discharge, problems in the breast or other lumps, problems in swallowing food, unnecessary mole or warts on the body, prolonged cough or changes in voice. Prof. Kumar further suggested to make everyone aware about cancer and should move from the ideology of "cancer is growing" to the ideology of "cancer can be prevented". Prof. Kumar at the end also advised people not to become doctors themselves.

Prof. Mi Kyung Kim from *National Cancer Center, South Korea* gave a very detailed and research output-based lecture. She spoke extensively about the possibility of cervical cancer in females and its diagnosis and treatment. Cervical cancer is a common cancer in women that has spread rapidly in South Korea. There are also about 12 lakh cancer cases and about 8 lakh deaths per year in India. There is a high probability of occurrence of cervical cancer in India as well. Among the West Asian countries, India has the highest number of cervical cancer cases accounting for 18% of the total cancer cases. The main reason for this is the infection of human papilloma virus but many other risk factors are associated with the increasing incidences of cervical cancer. The strongly associated risk factors are smoking, alcohol, unprotected sex, obesity and other infections. Generally, this cancer is observed in women above the age of 35, but due to changing lifestyles and dietary behavior, the disease is now being observed even in young girls. Prof. Kim discussed about the Cancer Awareness Program operational in South Korea, which consists of periodical cancer screening and the delivery of vaccine for human papilloma virus infection.







🕙 छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर



Prof. Subhash Chandra Chauhan from *University of Texas Health Sciences, RioGrande Valley, USA* explained the authenticity of cancer treatment with natural compounds through his research results. He advised to reduce the inflammation inside and outside the body which gives harm in every way. He further explained the role of turmeric in reducing this cellular inflammation process and carcinogenesis especially in pancreatic cancer. Curcumin, the key active component of turmeric was shown to reduce inflammation in cancer cells and helped repair the detrimental changes in cells. Prof. Chauhan emphasized the research to target cancer cells in a specific way using nanotechnological applications. He explained how junk food has causes detrimental effects on health and increased the possibility of cancer. He also pointed out on Ayurvedic treatment of cancer and Naturopathy. Through this webposium, he called upon to open new dimensions of research and teaching between Kanpur University and Texas University.

कैंसर की जागरुकता को समाज के हर स्तर पर ले जाने से बचाव संभव

अत्याधिक धप से बचने तथा

नियमित रूप से डॉक्टर की सलाह

लेने से इससे बचा जा सकता है

साथ ही उन्होंने बीमारी से उत्पन्न होने

वाले शारीरिक बदलावों के बारे में

जन एक्सप्रेस संवाददाता

प्रदीप शर्मा कानपुर नगर। छत्रपति शाहजी विश्वविद्यालय और महाराज संजीवनी लाइफ बियान्ड कैंसर के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को इंटरनेशनल वेबपोजियम कैंसर बर्डेन थ्रेटस चैलेंजेज एंड चेंजिंग पैराडाइम्स का ऑनलाइन आयोजन हुआ जिसमें संरक्षिका के रूप में कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता रही। उन्होंने कैंसर रिसर्च से संबंधित अपने विचार रखते हुए कहा कि कैंसर की जागरुकता को समाज के हर स्तर पर ले जाना चाहिए जानकारी होने से बचाव संभव है।



मुख्य अतिथि प्रोफेसर अशोक कुमार ने अपने कैंसर रिसर्च के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि धूम्रपान न करने, वजन नियंत्रित रखने, रेगुलर एक्सरसाइज करने, शराब का सेवन ना करने, स्वस्थ जानकारी दी।

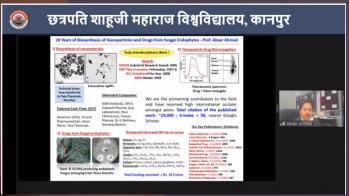
साउथ कोरिया की प्रो. मी क्युंग किम ने महिलाओं और लड़कियों में सर्वाइकल कैंसर की संभावना उसके निदान और उपचार के विषय में बताते हुए कहा कि इसका मुख्य कारण ह्यूमन पेपिलोमा वायरस का संक्रमण होता है लेकिन अन्य रिक्स फेक्टर इसकी संभावना को बढ़ाते हैं। अमेरिका के प्रोफेसर सुभाष चंद्र चौहान ने प्राकृतिक योगिकों से कैंसर के उपचार की प्रमाणिकता को अपने शोध परिणामों के माध्यम से बताया। उन्होंने शरीर के अंदर और बाहर की जलन को कम करने के लिए हल्दी की भूमिका को बताते हुए कहा कि हल्दी का प्रमुख तत्व करक्यूमिन कैंसर कोशिकाओं मे इन्फ्लामेसन को कम कर कोशिकाओं की मरम्मत करता है। संजीवनी लाइफ बियान्ड कैंसर की संस्थापक रूबी अहलूवालिया ने कहा कि संजीवनी एक प्रशस्ति एनजीओ है जो कैंसर रोगियों की मदद करती है। वेब पोजियम के संयोजक विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान

विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर नंदलाल ने वह पोजियम के उद्देश्यों और रूपरेखा से सभी का परिचय कराया। संचालन प्रोफेसर वर्षा गुप्ता ने तथा तकनीकी सहयोग संदेश गुप्ता और दर्पण दुबे ने दिया।



Mrs. Ruby Ahluwalia, Founder, 'Sanjeevani-Life Beyond Cancer' spoke on the socio-cultural aspects of cancer and society's awareness. Sanjeevani is an acclaimed NGO that helps cancer patients and survivors. She shared her experiences with cancer cases and called upon patient and survivor to contact Sanjeevani for their care and help.

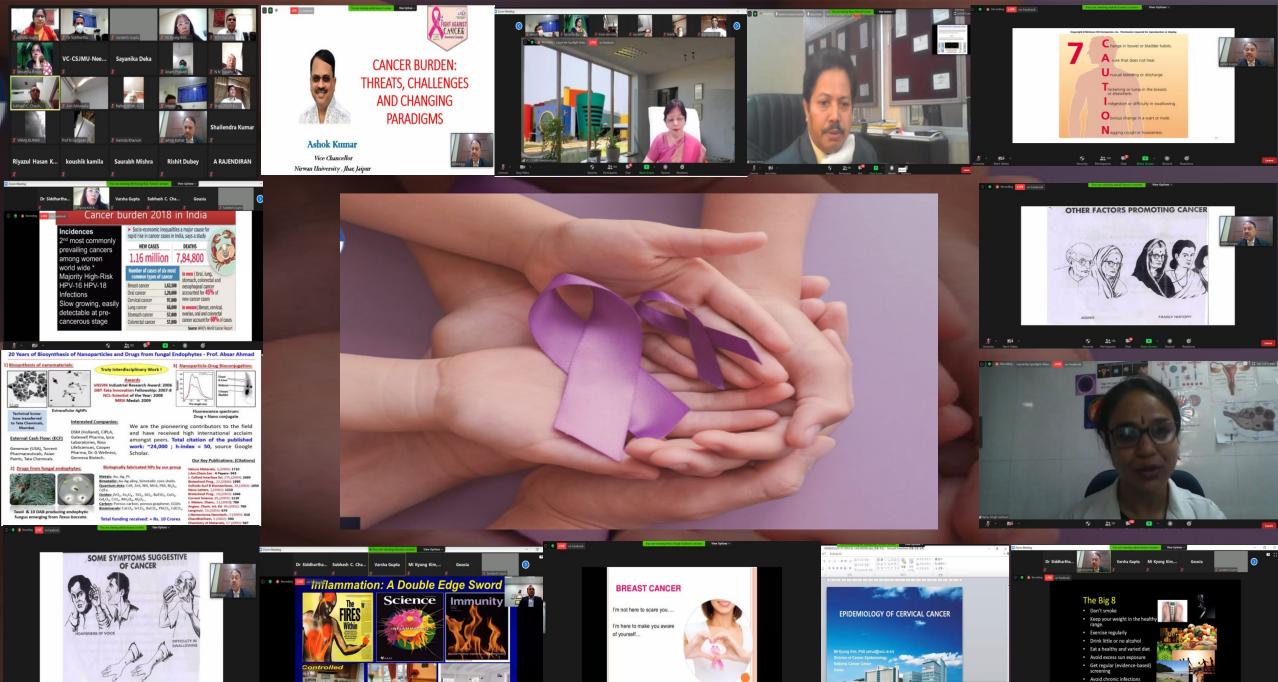
Prof. Absar Ahmed, Director, Interdisciplinary Nanotechnology Center, Aligarh Muslim University, Aligarh gave a comprehensive lecture on biosynthesis Nano-materials and their applications in health care including drug delivery by nanocarriers. His talk was highly informative and multi-faceted with details on creation and applications of different types of nanomaterials. He showed observations on applying them to cancer diagnosis and therapy. He also discussed the methods for separation of anticancer drugs from plants and their usage in cancer therapy.





Dr. Renu Singh Gahlot, Cancer Specialist from Gahlot Health Care, Kanpur shared her vast experience in cancer care and medicine in a language of the common man. She gave informative lectures on breast cancer and cervical cancer with an interactive approach. She said that the need of the hour is that every woman must keep checking her physiological system and take care of personal hygiene. She also discussed that self-examination of breast health and maintaining sanitization can help in controlling human papilloma virus infection and preventing the occurrence of cervical cancer.

Everyone appealed to conduct such event often so that myths and facts of cancer can be cleared and society can be informed about the disease. The program was aired live on Facebook and YouTube for general viewership so that it reaches to masses. The program had about 500 registered delegates from India, Egypt, Bangladesh, South Korea, USA etc. The Convener of the Webposium Prof. Nand Lal, introduced the audiences with the aims and objectives of the webposium. The program was conducted by Prof. Varsha Gupta and vote of thanks was proposed by Dr. Siddhartha Mishra. Administrative support was received from Finance Officer and Registrar of the University and technical support was provided by Dr. Sandesh Gupta and Mr. Darpan Dubey.



🗱 - 😚 🚉 04 📭

Level N - 124

O
Insuface

CMUCar Zoon Goal Zoon Meet Store Ke

1 🗈 🖮 12 de 106 1312 💷